3.पाठ्य का परिचय (Handout)

समाज में लड़की और लड़कियों के बीच भेद-भाव की भावना यहां वहां देखी जाती है जिसे दूर किए जाने की आवश्यकता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए यह पाठ कन्याओं की हत्या पर रोक और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रेरणा हेतु निर्मित किया गया है ।संवादात्मक शैली में इस बात को सरल संस्कृत में प्रस्तुत किया गया है। शालिनी गर्मियों के अवकाश में मायके आती है तब उसे अपनी भाभी माला से पता चलता है कि उसका भाई राकेश माला के गर्भ में पलने वाले बच्चे की जांच करा कर यह पता करना चाहता है कि वह लड़की है या लड़का है। शालिनी छोटी होते हुए भी अपने बड़े भाई को भ्रूण परीक्षण करने से रोकती है तथा समझाती है कि यह गलत है। शालिनी अपने भाई राकेश को अपने पिता का उदाहरण देकर कहती है कि हमारे माता-पिता ने तो मैं लड़के लड़की का भेद कभी नहीं किया है फिर आप कैसे कर सकते हो ,वह यहाँ तक कह देती है कि आपकी शिक्षा बेकार है। राकेश को अपनी गलती का एहसास होता है और वह आगे से कभी भी इस तरह की गलत बात का मन में विचार न लाने के लिए भी नहीं सोचता है,वह प्रतिज्ञा करता है कि वह अपने आने वाले बच्चे चाहे लड़का हो या लड़की उसका अच्छे से ध्यान रखेगा और उसकी पढ़ाई पर ध्यान देगा